विभिन्न संस्कृतियों में देखभाल: स्कॉटलैंड में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से पीड़ित लोगों के दक्षिण एशियाई पारिवारिक देखभालकर्ताओं के जीवित अनुभवों की एक खोज

परिचय/पृष्ठभूमि

पारिवारिक देखभालकर्ता डिमेंशिया के साथ जी रहे परिवार के सदस्यों की शारीरिक और मनोवैज्ञानिक भलाई का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, फिर भी अक्सर, वे 'अदृश्य' व्यक्ति होते हैं जो पृष्ठभूमि में रहते हैं। जबकि वृद्ध वयस्कों और जातीय अल्पसंख्यक समुदायों के बीच पारिवारिक देखभाल के प्रभाव को उजागर करने वाले कुछ अध्ययन हैं, स्कॉटलैंड में अश्वेत, एशियाई और अल्पसंख्यक जातीय (बी.ए.एम.ई.) पारिवारिक देखभालकर्ताओं के जीवन के अनुभवों और सहायता आवश्यकताओं के बारे में ज्ञान की कमी है। स्कॉटलैंड में डिमेंशिया से पीड़ित लोगों के दक्षिण एशियाई पारिवारिक देखभालकर्ताओं के जीवन के अनुभव के बारे में विशेष रूप से बहुत अपर्याप्त जानकारी है।

अध्ययन का उद्देश्य

इस परियोजना ने स्कॉटलैंड में दक्षिण एशियाई समुदाय में मनोभ्रंश से पीड़ित परिवार के सदस्यों की देखभाल करने में शामिल देखभालकर्ताओं के जीवित अनुभवों के बारे खोज की। परियोजना के मुख्य उद्देश्य थे: मनोभ्रंश के साथ जी रहे व्यक्ति का परिवारिक देखभालकर्ता बनने की प्रेरणाओं और अनुभवों का पता लगाना; देखभालकर्ताओं द्वारा उनकी देखभाल की भूमिका में सामना की जाने वाली चुनौतियों और सक्षमताओं की पहचान करना; और यह पता लगाना कि देखभालकर्ता क्या अनुभव करते हैं कि कौन सी सेवाएँ और समर्थन उनके देखभाल के अनुभव को बेहतर बनाएंगे और मनोभ्रंश से पीड़ित लोगों की देखभाल करने के लिए अधिक सकारात्मक माहौल बनाएंगे।

विधियां

अध्ययन ने सात स्थानीय प्राधिकरण क्षेत्रों से 12 दक्षिण एशियाई पारिवारिक देखभालकर्ताओं को भर्ती किया। शोध दल ने कई सामुदायिक और धार्मिक संगठनों के साथ-साथ, अपने स्वयं के नेटवर्क के माध्यम से भर्ती की। उपयोग की गई नमूना पद्धति सुविधाजनक थी। निजी सामुदायिक स्थानों पर अर्ध-संरचित ऑडियो-रिकॉर्ड किए गए साक्षात्कार किए गए जो परिवार के सदस्य के लिए सुविधाजनक और सुलभ थे।

परिणाम

परिणामों ने प्रकट किया कि ऐसे कई परस्पर जुड़े कारक थे जिन्होंने दक्षिण एशियाई समुदाय में मनोभ्रंश के साथ जीवन बिता रहे व्यक्ति के लिए पारिवारिक देखभालकर्ता की भूमिका का बीड़ा उठाने के लिए व्यक्ति को प्रभावित किया। इनमें धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक विचार शामिल थे। देखभालकर्ताओं ने अपनी देखभाल की भूमिका में कई चुनौतियों की पहचान की जो उनके भावनात्मक कल्याण पर महत्वपूर्ण प्रभाव, देखभाल के शारीरिक प्रभाव और सांस्कृतिक रूप से सक्षम औपचारिक देखभाल तक पहुँचने में कठिनाई के इर्द-गिर्द केंद्रित थीं। देखभालकर्ताओं ने महसूस किया कि कई तरह की सामना करने की रणनीतियों ने उन्हें अपनी भूमिका जारी रखने में सक्षम बनाया, इनमें धार्मिक और आध्यात्मिक मान्यताओं का दृढ़ पालन, सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ाव, साथ ही देखभाल के तरीकों को अपनाना और अनुकूलित करना शामिल था। देखभालकर्ताओं ने महसूस किया कि देखभालकर्ता प्रशिक्षण

और शिक्षा, भावनात्मक समर्थन और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील समर्थन और सेवा तक बेहतर पहुँच देखभाल के अनुभव को बेहतर बनाने और मनोभ्रंश के साथ जीवन बिता रहे लोगों के लिए अधिक सकारात्मक वातावरण बनाने में मदद करेगी।

निष्कर्ष

इस छोटे पैमाने के अध्ययन ने प्रकट किया कि कैसे सांस्कृतिक, धार्मिक और नैतिक विचारों के एक दूसरे से जुड़े मिश्रण ने मनोभ्रंश से पीड़ित लोगों के दक्षिण एशियाई पारिवारिक देखभालकर्ताओं के अनुभवों और चुनौतियों पर प्रभाव डाला। परिणामों ने उनके और औपचारिक देखभालकर्ताओं के लिए सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील सूचना समर्थन, प्रशिक्षण और शिक्षा की आवश्यकता को दर्शाया।

सिफ़ारिशें

- जातीय अल्पसंख्यक परिवार देखभालकर्ताओं को मनोभ्रंश की समझ प्रदान करने तथा मनोभ्रंश से पीड़ित व्यक्ति की देखभाल से जुड़े कुछ व्यावहारिक कौशल सीखने में सहायता करने के लिए सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील परिवारिक देखभालकर्ता प्रशिक्षण और शिक्षा उपलब्ध कराना।
- अल्पसंख्यक जातीय परिवारिक देखभालकर्ताओं के लिए भावनात्मक समर्थन और मित्रतापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने वाले संगठनों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील है।
- स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल पेशेवरों तथा देखभाल सेवाओं के लिए सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील प्रशिक्षण और शिक्षा उपलब्ध कराना।
- मनोभ्रंश से पीड़ित लोगों के जातीय अल्पसंख्यक परिवारिक देखभालकर्ताओं का समर्थन करने में जातीय अल्पसंख्यक, धार्मिक और सामुदायिक संगठनों की एक भूमिका है।